बच्चों में फैटी लिवर की व्यापकता

बचपन और किशोरावस्था में मोटापा एक वैश्विक महामारी बन गया है। भारतीय शहर के बच्चों में मोटापे की व्यापकता लगभग 25-30% है। इन मोटे बच्चों में फैटी लिवर का प्रचलन अधिक है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन वयस्कों को बचपन में फैटी लिवर की शुरुआत हुई थी, वे फैटी लिवर और उससे संबंधित रोगों से कम उम्र में ग्रस्त हो जाएंगे। मोटापे से ग्रस्त बच्चों में फैटी लिवर की रिपोर्ट दो साल से कम उम्र के बच्चों में और फैटी लिवर की बीमारी आठ साल से कम उम्र के बच्चों में पाई गई है। जिन बच्चों में चयापचय सिंड्रोम की नैदानिक विशेषताएं हैं (नीचे देखें) वे फैटी लिवर रोग के लिए उच्च जोखिम में हैं। वसायुक्त यकृत के लिए स्क्रीनिंग उन मोटे बच्चों में मददगार है, जिन में रक्तचाप और हानिकारक कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर है। यदि अल्ट्रासाउंड स्क्रीनिंग में फैटी लिवर का पता चलता है, तो इन बच्चों को मोटापे और चयापचय सिंड्रोम को उलटने के लिए पौष्टिक भोजन और जीवनशैली प्रबंधन की आवश्यकता होती है। यह भविष्य के यकृत रोग के साथ-साथ हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह और अन्य संबंधित रोगों को रोक देगा।